Email - sonekikalam@gmail.com

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

सोने की कलम

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे , 9893157809

www.sonekikalamnews.com

वर्ष - 34 अंक - 6 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 20 मार्च 2025 से 26 मार्च 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

नासा और स्पेसएक्स का मिशन सफल

अंतरिक्ष से लौटीं सुनीता विलियम्स

नईदिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने 286 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद सफलतापूर्वक पृथ्वी पर वापसी की। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए उन्होंने फ्लोरिडा के तट पर लैंड किया और उनके चेहरे पर प्रसन्नता की लहर थी। उनके पैतृक गांव जूलासन, मेहसाणा में उनके स्वागत के लिए जश्न का माहौल था। सुनीता की वापसी पर पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई है।

सुनीता विलियम्स और उनके चार साथी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से मंगलवार देर रात 3:27 बजे पृथ्वी पर लौटे। वे ड्रैगन पर 9 महीने और 14 दिन तक रहे। पृथ्वी पर लौटने में उन्हें 17 घंटे का समय लगा। इस दौरान जब स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर रहा था, तो तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जिससे करीब 7 मिनट के लिए एस्ट्रोनॉट्स से संपर्क टूट गया था।

लेकिन इस खतरनाक स्थिति के बावजूद, मिशन पूरी तरह से सफल रहा और सुनीता समेत सभी एस्ट्रोनॉट्स सुरक्षित धरती पर लौटे। यह उपलब्धि अंतरिक्ष यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है।

किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किया धन्यवाद

इन्दौर। इंदौर–पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर क्षेत्र के किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से आभार व्यक्त किया। किसानों ने अपनी मांग रखते हुए आग्रह किया था कि आगामी इंदौर–पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर में उन्हें अधिकतम विकसित भूमि का आवंटन किया जाए। ये किसान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज इंदौर एयरपोर्ट में मिले। इस दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में गेर के दौरान हादसे में एक व्यक्ति की दुखद मृत्यु होने पर दुख जताते हुए किसानों द्वारा किए जा रहे सम्मान को स्वीकार करने में आग्रहपूर्वक इंकार कर दिया।

उल्लेखनीय है कि संपन्न हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने किसानों की उक्त संदर्भ में महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार करते हुए यह निर्णय लिया कि इंदौर–पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर में किसानों को कुल विकसित भूमि का 60% हिस्सा आवंटित किया जाएगा।

इंदौर–पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर योजना के तहत प्रस्तावित क्षेत्र में कोडियाबर्डी, नैनोद, रिंजलाय, बिसनावदा, नावदा पंथ, श्रीराम तलावली, सिन्दोड़ा, सिन्दोड़ी, शिवखेड़ा, नरलाय, मोकलाय, डेहरी, सोनवाय, भैंसलाय, बागोदा, टीही और धन्नड़ जैसे ग्राम शामिल हैं। इस योजना में कुल 1290.74 हेक्टेयर भूमि का विकास किया जाएगा, जिसमें से किसानों को मुआवजे के बदले में कुल विकसित भूमि का 60% हिस्सा प्रदान किया जाएगा।

नागपुर हिंसा मामला

अफवाह-हिंसा फैलाने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्शन

नागपुर। हिंसा मामले में पुलिस ने बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया है। पुलिस की साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है, साथ ही 10 एफआईआर की गई हैं।

पुलिस ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट पर एक यूजर से धमकी मिली है कि सोमवार के दंगे एक छोटी घटना थी, भविष्य में बड़े दंगे होंगे। हालांकि पुलिस ने इस बारे में आगे कोई जानकारी नहीं दी।

इस मामले में मास्टरमाइंड फहीम शमीम खान समेत 84 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है।

हालांकि बुधवार को महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने यह संख्या 69 बताई थी। इनमें विश्व हिंदू परिषद के भी 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। इनमें 19 आरोपियों को 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। सोमवार रात हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए थे, जिनमें DCP रैंक के तीन अधिकारी भी शामिल हैं। दंगाइयों ने वाहनों में तोड़फोड़ की, पेट्रोल बम फेंके, पथराव किया और कुछ घरों पर हमला भी किया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को

भोपाल। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को सुबह 11 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा। उल्लेखनीय है कि होली के कारण 15 मार्च को यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका था।

ग्वालियर में दिल दहलाने वाली वारदात

12 साल की बच्ची ने 4 साल के बच्चे को मारकर गड्ढे में पटका

ग्वालियर। ग्वायिलर के सिरोल स्थित कोस्मो आनंदा टाउनशिप से मंगलवार दोपहर जिस चार वर्षीय बालक का अपहरण हुआ था। 33 घंटे बाद उसकी लाश टाउनशिप के ही पिछले हिस्से में ढाई फीट गहरे गड्ढे में मिली।

हत्या करने वाली 12 वर्षीय बालिका है, जो उसे अपने साथ बेर तोड़ने के बहाने ले गई थी। बालिका ने मंगलवार दोपहर में ही करीब एक बजे मासूम का पहले गला दबाया फिर मुंह के बल उसे गड्ढे में गिराया। इसके बाद भारी पत्थर पटक दिया। लाश को छिपाने के लिए ऊपर से और पत्थर पटक दिए।

हत्या क्यों की, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने कहा कि उसे उन बच्चों को देखकर गुस्सा आता है, जो उसकी बात नहीं मानते। पुलिस बाल अपचारी बालिका की काउंसलिंग भी कराएगी, जिससे हत्या की असल वजह सामने आ सके।

यूनिवर्सिटी थाना पुलिस ने बालिका को हिरासत में लिया है। बालिका के माता-पिता से भी पूछताछ चल रही है। बच्चे की लाश मिलने के बाद परिवार आक्रोशित हो गया। इसके चलते चार थानों की फोर्स कास्मो आनंदा टाउनशिप में लगाई गई।

एसएसपी धर्मवीर सिंह, एएसपी कृष्ण लालचंदानी, डीएसपी हिना खान सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मासूम बच्चे के पिता पत्नी व चार बच्चों के साथ दो माह पहले ही ग्वालियर आए थे। सिरोल क्षेत्र में फूटी बैरक में रहते थे।

कास्मो आनंदा टाउनशिप में नगरीय प्रशासन विभाग की डिप्टी डायरेक्टर सविता प्रधान के भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां रामकुमार और पत्नी काम करते हैं। मंगलवार को काम करने आए और बेटे को भी साथ ले आए थे।

इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन परियोजना में जमीनी काम अभी तक शुरू नहीं हुआ

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन परियोजना में अब तक जमीनी स्तर पर कोई काम शुरू नहीं हो पाया है। इस परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के तीन जिलों के 77 गांवों से रेल लाइन गुजरेगी। नवंबर 2024 में रेल मंत्रालय ने इन गांवों की जमीन अधिग्रहण के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया था।

इसके बाद अब मंत्रालय ने महू तहसील के 18 गांवों की सूची जारी की है, लेकिन दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जमीन अधिग्रहण का काम शुरू नहीं हो सका है। अधिकारियों के अनुसार, रेल मंत्रालय द्वारा 14 जनवरी को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक महू तहसील के खेड़ी, चैनपुरा, कमदपुर, खुदालपुरा, कुराड़ाखेड़ी, अहिल्यापुर, नांदेड़, जामली, केलोद, बेरछा, गवली पलासिया, आशापुरा, मलेंडी, कोदरिया, बोरखेड़ी, चौरड़िया, न्यू गुराडिया और महू केंटोमेंट एरिया की चिह्नित जमीन का अधिग्रहण होना है। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं, और शीघ्र ही प्रक्रिया शुरू करने की योजना है।

जल्द चल सकती है मेट्रो ट्रेन, 24 और 25 मार्च को 5 स्टेशनों का होगा निरीक्षण

◆इंदौर, सोने की कलम।

मार्च के अंत तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होने के बाद शहरवासियों को सफर करने का अवसर मिल सकता है। इसके पहले, कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (सीएमआरएस) जनक कुमार गर्ग मेट्रो के निरीक्षण के लिए 24 मार्च को इंदौर पहुंचेंगे। वे 24 और 25 मार्च को सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के 5.9 किलोमीटर में बने पांच मेट्रो स्टेशनों का बारीकी से निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वे मेट्रो के वायडक्ट पर ट्राली में बैठकर भी निरीक्षण करेंगे। 22 जनवरी को सीएमआरएस ने इंदौर में मेट्रो डिपो और कोच का निरीक्षण किया था।

यात्री सुविधाएं भी देखेंगे

सीएमआरएस सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के पांचों स्टेशन का अलग-अलग निरीक्षण करेंगे। वे स्टेशन पर बने ऑपरेशन रूम, इलेक्ट्रिकल सेक्शन, प्लेटफार्म, लिफ्ट, एस्केलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण करेंगे। रेलवे बोर्ड से मेट्रो कोच और ट्रैक को लेकर अनुमोदन मिल चुका है। सीएमआरएस अपने आगामी इंदौर दौरे पर मेट्रो का दो दिन निरीक्षण करने के बाद फाइनल क्लीयरेंस देंगे। इसके बाद मेट्रो में यात्रियों को सफर करने का अवसर मिलेगा।

80 किमी की रफ्तार से चलेगी मेट्रो

गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर-3 तक सफर उन्होंने डेढ़ घंटे में पूरा किया था। इस दौरान उन्होंने मेट्रो कोच के ब्रेकिंग सिस्टम का निरीक्षण किया था। इस बार सीएमआरएस मेट्रो कोच में बैठकर गति निरीक्षण भी करेंगे। इस दौरान मेट्रो कोच को 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलाया जाएगा। सीएमआरएस और उनकी टीम कोच में यात्री सुरक्षा और तय स्पीड पर होने वाले कंपन की जांच भी करेंगे। प्लेटफार्म पर कोच के रुकने के दौरान उसके ब्रेकिंग सिस्टम का भी परीक्षण किया जाएगा। सीएमआरएस के इस निरीक्षण के बाद इंदौर मेट्रो में यात्रियों के सफर की शुरुआत होगी।

18 साल पुराना एमआर-10 फ्लाय ओवर अब 8 लेन तक चौड़ा होगा

◆इंदौर, सोने की कलम।

एमआर-10 पर 18 साल पहले बने रेलवे लाइन के ऊपर के फ्लायओवर को अब प्राधिकरण द्वारा 8 लेन तक चौड़ा किया जाएगा। यह फ्लायओवर सुपर कॉरिडोर के साथ-साथ, सिंहस्थ महापर्व के मद्देनजर बड़े पैमाने पर सुधारों के तहत विकसित किया जा रहा है। इस कार्य पर लगभग 82 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। प्राधिकरण इस प्रोजेक्ट को पूरा करेगा और आज संभागायुक्त ने इस संबंध में बैठक भी बुलाई है।

सिंहस्थ 2028 के लिए इंदौर में कई बड़े विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें सड़कों, फ्लायओवरों, बस टर्मिनल और अन्य सुविधाओं का निर्माण शामिल है। इन कार्यों का उद्देश्य इंदौर में यातायात दबाव को कम करना और शहर की संरचना को बेहतर बनाना है। इसके तहत एमआर-12 का निर्माण भी किया जा रहा है, जो एमआर-10 के समानांतर एक नया मार्ग होगा और बायपास-एबी रोड को उज्जैन रोड से जोड़ेगा। एमआर-12 पर भी फ्लायओवर का निर्माण किया जाएगा, और रेलवे मंत्रालय से इसकी मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। वहीं, एमआर-10 पर आईएस बीटी का निर्माण भी प्राधिकरण द्वारा किया गया है, जिसका संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। कुल मिलाकर, एमआर-10 फ्लायओवर की लम्बाई 713 मीटर और चौड़ाई 15.5 मीटर है, जिसे अब दो गुना करके 8 लेन में बदला जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए कुल 82 करोड़ रुपए की लागत अनुमानित की गई है। प्राधिकरण का कहना है कि इस विकास कार्य के लिए 82 करोड़ रुपए की राशि शासन से सिंहस्थ मद से मांगी जाएगी।

यह फ्लायओवर 18 साल पहले बीओटी (बिल्ड, ऑपरेट, ट्रांसफर) के तहत बनाया गया था और 17 साल तक टोल टैक्स वसूला गया था, जिसके बाद पिछले साल यह ठेका समाप्त हुआ और टोल नाका हटा दिया गया। अब इसे सुधारकर यातायात के दबाव को बेहतर तरीके से संभालने की योजना है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 : खजराना गणेश मंदिर से हुआ आगाज

◆इंदौर, सोने की कलम।

केंद्र सरकार की टीम ने इंदौर में स्वच्छता सर्वेक्षण की शुरुआत की। इस सर्वेक्षण की शुरुआत खजराना गणेश मंदिर से हुई है। सर्वेक्षण शुरू होने से पहले, टीम ने निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार नगर निगम आयुक्त को अपने आगमन की सूचना दी।

देशभर के शहरों में स्वच्छता की स्थिति का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा यह सर्वेक्षण शुरू किया गया है। हालांकि, यह सर्वेक्षण पहले दो दिन पहले शुरू होने वाला था, लेकिन नगर निगम ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि रंगपंचमी के बाद ही इंदौर में सर्वेक्षण कराया जाए। इसी कारण से यह सर्वेक्षण आगे बढ़ाया गया। कल ही सर्वेक्षण टीम शाम होते-होते इंदौर पहुंची थी। निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत टीम ने निगम आयुक्त शिवम वर्मा से मुलाकात की और सर्वेक्षण की शुरुआत की आधिकारिक सूचना दी। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद टीम ने सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया। इस सर्वेक्षण की शुरुआत इंदौर के लाखों नागरिकों की श्रद्धा का केंद्र खजराना गणेश मंदिर से हुई। यहां पर पिछले चार वर्षों से भगवान को चढ़ाए गए फूलों से खाद बनाने का संयंत्र चल रहा है। टीम ने मंदिर परिसर की स्वच्छता का आकलन किया और साथ ही खाद बनाने के संयंत्र का निरीक्षण भी किया।

संपादकीय

दुरुस्त हो सूर्य घर बिजली योजना

भारत में सौर ऊर्जा के अपेक्षाकृत कम उत्पादन और ताप बिजली पर अधिक निर्भरता देखकर पिछले वर्ष फरवरी में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का ऐलान किया गया। इसे बड़ी क्रांतिकारी योजना माना गया था। मार्च 2027 तक 1 करोड़ घरों में सौर ऊर्जा आपूर्ति शुरू करने के मकसद वाली इस योजना के तहत रिहायशी घरों को 1 किलोवाट सौर ऊर्जा प्रणाली पर 30,000 रुपये, 2 किलोवाट पर 60,000 रुपये और 3 तथा उससे अधिक किलोवाट वाली प्रणाली पर 78,000 रुपये सब्सिडी दी जाती है। इससे घरों में बिजली का बिल तो घटेगा ही, वे बची हुई बिजली ग्रिड को बेच भी सकते हैं। इस योजना को सफल बनाने के लिए सब कुछ था। इसे जमकर रकम भी मिली। 2024-25 के बजट में 6,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो बढ़ाकर 11,100 करोड़ रुपये कर दिए गए और 2025-26 के बजट में इसके लिए 20,000 करोड़ रुपये तय किए गए। सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल बनाकर आवेदन प्रक्रिया को सरल भी बनाया है और बैंक से कर्ज की प्रक्रिया सुगम की है। योजना के तहत मांग भी खूब रही और 47.3 लाख आवेदन आए। मगर साल भर गुजरने के बाद भी योजना का प्रदर्शन कमजोर ही रहा है।

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष 10 मार्च तक 10 फीसदी लक्ष्य ही हासिल हो पाया है। कुछ रिपोर्ट के अनुसार हर महीने औसतन 70,000 घरों में सौर ऊर्जा प्रणाली लग रही हैं। इस रफ्तार से तो 2026 तक 30 फीसदी लक्ष्य ही पूरा हो पाएगा। देश के विभिन्न इलाकों में रफ्तार भी अलग है, मसलन दो-तिहाई प्रणालियां तो गुजरात और महाराष्ट्र में ही लगी हैं। हालांकि इन दोनों राज्यों में सबसे ज्यादा बिजली खपत होती है मगर योजना सभी राज्यों में समान गति से क्रियान्वित होती तो देश की बड़ी आबादी को इसके फायदे मिल पाते।

उपकरणों में गुणवत्ता और मानकीकरण की कमी इस सुस्ती की बड़ी वजह है मगर उसे आसानी से दूर किया जा सकता है। छत पर सौर ऊर्जा उपकरण (रूफटॉप सोलर सिस्टम) लगाने के बाजार में कम अनुभव वाली नई कंपनियां आ जाएं तो काम खराब होने ही लगता है। मरकॉम इंडिया के एक अनुसंधान में पता लगा कि सौर ऊर्जा का अपना कार्यक्रम छोड़कर सूर्य घर बिजली योजना अपनाने वाले राज्य केरल में नेट मीटरिंग मॉड्यूल जैसी अनिवार्य गुणवत्ता जांच को क्रियान्वयन एजेंसी ने नजरअंदाज कर दिया। मॉड्यूल के आकार और उपकरणों की गुणवत्ता में फर्क होने के कारण उपकरण को लगाने यानी इंस्टॉलेशन में समस्या आने लगी और उपभोक्ता उसे लगवाने से इनकार करने लगे।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय रूफटॉप सोलर सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न पुर्जों के लिए मानक तय कर इस समस्या को दूर कर सकता है। कुछ सरकारी बिजली वितरण कंपनियों में पुरानी दिक्कतों ने भी योजना में बाधा डाली है। गुजरात की कंपनियों जैसी कुछ वितरण कंपनियां योजना के क्रियान्वयन में बहुत आगे रही हैं मगर दूसरी कंपनियों को डर है कि सौर ऊर्जा को ग्रिड में लेने पर उनकी माली हालत पहले से भी ज्यादा खस्ता हो जाएगी। साथ ही वे सौर ऊर्जा लेने को इसलिए भी तैयार नहीं हैं क्योंकि यह केवल दिन में ही मिल सकती है।

गृह ज्योति योजना के तहत बिजली उपभोक्ताओं को दी 149 करोड़ की सब्सिडी

इन्दौर। प्रदेश शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। पिछले एक माह के दौरान मालवा-निमाड़ के 15 जिलों के 33 लाख 49 हजार उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ मिला है। इन्हें 149 करोड़ रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है।

मप्र शासन की इस महत्वपूर्ण योजना के तहत घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रूपए यूनिट तक दी जाती है। सौ यूनिट से 150 यूनिट तक खपत होने पर 100 यूनिट के बाद प्रचलित दर से बिल तैयार होता है। तीस दिन के अंतराल में 150 यूनिट कुल खपत या प्रतिदिन पांच यूनिट औसत खपत से ज्यादा होने पर उस माह की सब्सिडी प्रदान नहीं की जाती है। पिछले एक माह के दौरान मालवा-निमाड़ में 33 लाख 49 हजार उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित किया गया है। लाभान्वित उपभोक्ताओं के बिल में 560 रूपए की अधिकतम सब्सिडी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत पिछले एक माह में इंदौर जिले में करीब 5.15 लाख उपभोक्ता योजना से लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले के उपभोक्ताओं को बीस करोड़ से ज्यादा की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसी तरह धार जिले में 3.40 लाख, उज्जैन जिले में 3.11 लाख, खरगोन जिले में 2.93 लाख, रतलाम जिले में 2.53 लाख, मंदसौर जिले में 2.33 लाख, देवास जिले में 2.28 लाख एवं अन्य जिलों खंडवा, बड़वानी, नीमच, शाजापुर, आगर, झाबुआ, बुरहानपुर, आलीराजपुर में 90 हजार से लेकर 1.90 लाख उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना के अंतर्गत सब्सिडी प्रदान की गई है।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिये 31 मार्च तक होगा पंजीयन

इंदौर संभाग में लगभग 73 हजार किसानों ने कराया पंजीयन

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर संभाग में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये अभी तक 72 हजार 962 किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों से आग्रह किया गया है कि गेहूँ की बिक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। खरीदी का कार्य उपार्जन केन्द्रों में 5 मई तक होगा। गेहूँ की खरीदी के लिये संभाग में 209 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है।

बताया गया कि प्रदेश में लगभग 10 लाख किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए अपना पंजीयन कराया है। इसमें से इंदौर संभाग के जिला बुरहानपुर में 160 , खरगौन में 4305, बड़वानी में 577, अलीराजपुर में 85, खंडवा में 11,560, धार में 20,647, झाबुआ में 3934 तथा इंदौर में 31,694 किसान पंजीयन करा चुके हैं। इसके अलावा मंदसौर 31,714, नीमच 10,259, आगर-मालवा में 25,357, देवास में 37,038, रतलाम में 19,966, शाजापुर में 53,172, उज्जैन में 78,016, अशोकनगर में 12,557, शिवपुरी में 8662, ग्वालियर में 5880, दतिया में 7680, गुना में 8446, भिंड में 10,470, श्योपुर में 11,157, मुरैना में 7824, जबलपुर 11,075, बालाघाट 806, कटनी में 15,511, पांढुर्णा 89, डिंडौरी में 1773, छिंदवाड़ा में 9091, सिवनी में 24,801, नरसिंहपुर में 20,979, मंडला में 9350, हरदा में 22,227, बैतूल में 8788, नर्मदापुरम में 52,017, विदिशा में 65,348, रायसेन में 57,898, राजगढ़ में 55,855, भोपाल में 26,847, सीहोर में 76,299, सतना में 12,028, रीवा में 9439, सिंगरौली में 4369, मऊगंज 996, मैहर में 3835, सीधी में 4535, अनूपपुर में 521, उमरिया में 4312, शहडोल में 5145, पन्ना में 14,785, निवाड़ी में 1132, दमोह में 22,505, टीकमगढ़ में 8048, छतरपुर में 12,198 और सागर में 56,462 किसानों ने पंजीयन कराया है।

इंदौर जिले में आगामी 1 अप्रैल से प्रारंभ होगा नया शैक्षणिक सत्र

इन्दौर। राज्य शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में आगामी 1 अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होगा। सभी शासकीय विद्यालयों में पहले दिन प्रवेशोत्सव मनाया जायेगा। स्कूल आने वाले विद्यार्थियों का स्वागत-सत्कार किया जायेगा। नये शैक्षणिक सत्र के लिए सभी जरूरी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि नये शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा पहली से कक्षा 7वीं में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों का कक्षा दूसरी से कक्षा 8वीं में एवं कक्षा 8वीं से कक्षा 11वीं तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों का कक्षा 9वीं से 12वीं तक में शत-प्रतिशत नामांकन की कार्यवाही 25 मार्च तक पूरी कर ली जाये। प्रत्येक विद्यालय स्तर पर गृह सम्पर्क अभियान चलाया जायें। इस अभियान में शाला त्यागी बच्चों को चिन्हित कर उनका स्कूलों में प्रवेश सुनिश्चित कराया जाये। स्कूल प्रारंभ होते ही विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया जाये। शाला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की जाये। कक्षा संचालन के दौरान विद्यार्थियों की दक्षता में वृद्धि के प्रयास किये जाये। जॉयफुल लर्निंग के माध्यम से पढ़ाना सुनिश्चित किया जाये। ग्रीष्म अवकाश के दौरान स्थानीय, विषयगत एवं कौशल विकास के प्रोजेक्ट कार्य चिन्हित करते हुए विद्यार्थियों को दिये जाये।

रंगों की 'गेर' में कोई 'गेर' न रहा

जबरदस्त उत्साह दिखाते हुए अपनेपन का रंग बिखेरा

गेर में आए पांच लाख से अधिक लोग, निगम ने सफाई शुरू की

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह यूं ही नहीं नंबर वन है। बुधवार को रंगपंचमी की गेर में जनता ने जबरदस्त उत्साह दिखाते हुए अपनेपन का रंग बिखेरा और दूसरी ओर गेर खत्म होते ही नगर निगम का अमला सड़कों की सफाई के लिए मैदान में उतरा। जैसे ही गेर खत्म हुई, नगर निगम के 500 सफाई मित्र मशीनों के साथ सड़कों पर उतर गए।

उन्होंने महज 38 मिनट में राजवाड़ा क्षेत्र को चमचमाते हुए साफ कर दिया। इसके बाद सराफा, खजूरी बाजार, जवाहर मार्ग और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की प्रक्रिया शुरू हुई। करीब दो घंटे में राजवाड़ा चौक सहित पूरे गेर मार्ग को चकाचक किया जा चुका था।

हर बार गेर के बाद बड़ी मात्रा में जूते-चप्पल सड़कों पर दिखाई देते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। निगम की टीम ने गेर मार्ग से करीब एक डंपर जूते-चप्पल उठाए।

नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी अखलेश उपाध्याय ने बताया कि नगर निगम का अमला करीब सवा तीन बजे मैदान में उतरा। सबसे पहले राजवाड़ा चौक की सफाई शुरू हुई। सीपिंग मशीन, सक्शन मशीन, टोलबो मशीन आदि की

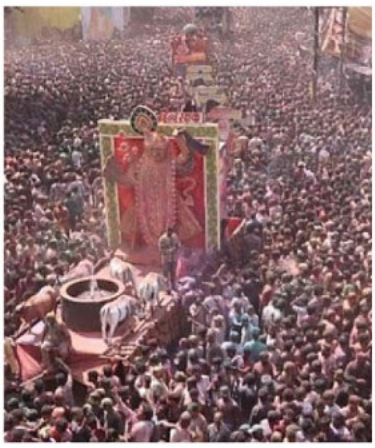

मदद से करीब आधे घंटे की मेहनत के बाद यहां की सड़कों को चकाचक किया गया। सफाई के बाद राजवाड़ा की रेलिंग और सड़कों को पानी से धोने का काम शुरू हुआ। राजवाड़ा और सड़कों की सफाई पर करीब सात टेंकर पानी खर्च किया गया।

सड़क की सफाई के साथ-साथ कचरा भी उठवाया गया। उपाध्याय ने बताया कि निगमकर्मियों ने गेर मार्ग से एक डंपर जूते-चप्पल उठाए। पिछले वर्ष गेर में करीब छह डंपर जूते-चप्पल उठाए गए थे। इस बार इस वर्ष दूसरा कचरा 14 डंपर उठाया गया, जिसमें पन्नियां और रैपर इत्यादि शामिल थे।

निगम ने झांकी में स्वच्छता का संदेश दिखाया। इस बार नगर निगम ने गेर में एक झांकी शामिल की, जिसमें स्वच्छता का संदेश दिया गया था। इसमें अनुपयोगी सामान से बना करीब 20 फीट ऊंचा हाथी था, जो अपनी सूंड से सौ फीट ऊंचाई तक रंगों की बौछार कर रहा था। इसके अलावा, निगम की गेर में एक मंच पर खड़ी चार स्वच्छता दीदी भी दिखाई दीं, जो अपनी झाड़ू से शहरवासियों को रंगों से सराबोर कर रही थीं। निगम ने एक ट्राले पर स्वच्छता का संदेश देने वाली झांकी भी बनाई थी।

दर्दनाक हादसा, युवक की जान गई

राजवाड़ा में रंगपंचमी गेर के दौरान एक दुखद हादसा हुआ। भीड़ के बीच ट्रैक्टर का पहिया पेट पर चढ़ने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। घायल को तुरंत एम. वाय. अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे से मर्माहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गेर में भाग न लेने का निर्णय लिया। वे इंदौर एयरपोर्ट से सीधे उज्जैन के लिए रवाना हो गए। पहले उनका राजवाड़ा आने का इरादा था।

कपड़ा मार्केट में भीषण आग, कई दुकाने चपेट में आई

करोड़ों के नुकसान की आशंका, दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची

◆इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के क्लॉथ मार्केट में गुरुवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

दमकल विभाग के अनुसार, आग सुबह करीब 6:45 बजे लगी, जिसके बाद टीम तुरंत सक्रिय हो गई। इस आगजनी में सोनम कलेक्शन, दिलीप मैचिंग, लोटस फैशन, नर्सिंग की दुकान, दीप टेक्सटाइल्स, पूजा श्री, राज श्री फैब्रिक और कुइया टेलर सहित आधा दर्जन से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, घटना में करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

संकरी गलियों और भारी धुएं के कारण दमकल वाहनों को अंदर पहुंचने में कठिनाई हुई। स्थानीय लोगों की मदद से पाइप डालकर आग पर काबू पाया गया। हालांकि, दुकानों में भारी मात्रा में कपड़ा होने के कारण अंदर अब भी धुआं बना हुआ है, जिसे पानी डालकर ठंडा किया जा रहा है।

फिलहाल आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है, लेकिन नुकसान के सटीक आंकलन और आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, वीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)